दुनिया में बाकी जगह भी यह चल रहा है जहां पर उपभोक्ता अपने मनोनुसार चयन करते हैं। आज मैं बड़ी प्रमाणिकता से कहना चाहता हूं, मैंने पहले भी कहा कि अगर इस देश में इलैक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री को रेवोल्यूशन लाना है तो भारत के उद्यमशील लोग, इंटरप्रेन्योर लोग बहुत सक्षम है, तैयारी करके बैठे हैं कि ''कैस'' को...

श्री संजय निरुपम: आईबी मिनिस्टर ....(व्यवधान)

श्री सभापति: आप बीच में टोकेंगे तो कैसे चलेगा? ....(व्यवधान)... Mr. Sanjay Nirupam, please. It will not go on record. (*Interruptions*)

श्री रवि शंकर प्रसाद: इन्होंने जो बाकी बातें उठाई हैं, आईबी के बारे में, इसके बारे में मेरे पास अभी उत्तर उपलब्ध नहीं है। मैं इसकी जानकारी करके इन्हें बतलाऊंगा लेकिन मैं इतना कहना चाहता हूं कि हमार पास सिक्योरिटी कंसर्न को लेकर कोई चिंता सरकार के विभाग में नहीं है। फिर भी उन्होंने स्पेसिफिक बात बताई है, मैं जानकारी करके इनफॉर्मेशन दे दूंगा।

श्री संजय निरुपम: आईबी मिनिस्टर ने कोई ऑब्जैक्शन नहीं लिया। ....(व्यवधान)...

श्री सभापति: प्रश्न संख्या 103, श्री दारा सिंह चौहान।

CGHS dispensary in NOIDA

*103. SHRI DARA SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is only one CGHS dispensary in NOIDA (U.P.);

(b) whether it is also a fact that the number of Central Government employees residing in NOIDA has increased manifold in the recent past;

(c) whether Government are also aware that about 20,000 beneficiaries are residing in Sector 62, NOIDA alone;

(d) if so, whether Government propose to open a CGHS dispensary in that sector; and

(e) if so, by when and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) to (e) The population of NOIDA (Census Town) as per 1991 and 2001 Census (Provisional) is 1,46,514, and 2,93,908 respectively. The Census figures, however, does not indicate the total number of serving Central Government employees and retired Central Government employees residing in NOIDA. However, only 46 cardholders (210 beneficiaries) from Sector 62, NOIDA, have got themselves registered in CGHS dispensary, NOIDA. Accordingly, there is no proposal for opening of a new CGHS dispensary at Sector 62, NOIDA, at present.

श्री दारा सिंह चौहान: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी के उत्तर से पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हूं क्योंकि जिस सरकार को अपने केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के बारे में इतनी उदासीनता है कि उसको आंकड़े तक मालूम नहीं हैं तो आम जनता के बारे में कितनी गंभीर होगी, इसको स्वयं मंत्रालय बता सकता है। आपने कहा कि सेक्टर 62 में इनका औषधालय है, वहां केवल 46 कार्डधारक हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सैक्टर 36 में जो इनका मैडिकल सैंटर है, वहां पर अभी तक कितना ऐनरोलमेंट है और 36 में केन्द्रीय सरकार के कितने कर्मचारी और पेंशनर रहते हैं? क्या इसकी जानकारी मंत्री जी को है?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI A. RAJA): Sir, as a whole, in Noida, we are having two kinds of card-holders—serving people and pensioners. In total, 7351 card-holders are there. The number of beneficiaries covered under these cards is more than 38,000. The question particularly asked by the hon. Member is: in Sector 46 of Noida, how many card-holders are there and what facilities can be extended to them. According to our source, those persons...

श्री दारा सिंह चौहान: सैक्टर 46 नहीं, 36 में कहा है।

SHRI A. RAJA: Yes in Noida Sector 62. We are having only 210 beneficiaries under 46 cards in this dispensary. And, as per the norms, a minimum number of 2,000 card-holders should be there for expanding them to another new dispensary. So, presently, it is not possible for us to expand them to one more dispensary.

श्री दारा सिंह चौहान: सभापति महोदय, सैक्टर 36 में 46 कार्डधारक रहे। यह मंत्री जी का उत्तर है। हमने सैक्टर 62 का कहा था जिसमें लगभग 20 हजार लोग रहते हैं, 20 हजार लोगों की पापूलेशन है। सबसे ज्यादा उसमें कर्मचारी, केन्द्रीय कर्मचारी, पेंशनर्स...

श्री सभापति: वह आपने बता दिया है। आप रिपीट क्यों कर रहे हैं?

श्री दारा सिंह चौहान: मंत्री जी का उत्तर सही नहीं है। जो 46 की बात उन्होंने कही है, मैंने पूछा था कि 36 में कितने कार्डधारक हैं और कितनी उसकी कैपेसिटी है?

SHRI A. RAJA: Sir, that has not been asked.

श्री दारा सिंह चौहान: अभी आपने दिल्ली के अगल-बगल जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र बनाया है, वह इसलिए कि दिल्ली को दबाव से बचाया जा सके...

श्री सभापति: इसका इससे क्या संबंध है?

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदय, मैं इसका जवाब देना चाहूंगी। यह जो सैक्टर 62 की बात दारा सिंह जी बार-बार कर रहे हैं, जो ऐप्लीकेशन डिसपेंसरी खोले जाने की आयी है, उस ऐप्लीकेशन में ही उन्होंने लिखा है कि केवल एक हजार फैमिलीज़ ने अभी शिफ्ट किया है। उन्होंने आगे का आंकड़ा बताते हुए लिखा है, उस ऐप्लीकेशन का पहला ही वाक्य मैं यहां पढ़ दूं "Around 10,000 to 15,000 CGHS beneficiaries will be residing in sector 62. But, now, around 1000 families have already shifted." इस आधार पर कि 10 हजार से 15 हजार लोग जाएंगे, आप डिस्पेंसरी खोल दीजिए, ऐसा नहीं हो सकता है। कम से कम दो हजार मौजूदा कार्ड हमें उस समय चाहिए होते हैं जब हम कोई डिस्पेंसरी खोलते हैं। एप्लीकेशन्स, जो वहां से आई हैं, उसमें कहा है कि अभी एक हजार फैमिलीज ने शिफ्ट किया है, दस हजार से पंद्रह हजार शिफ्ट करेंगी। जब करेंगी और हमारे पास कार्ड होल्डर्स की संख्या आएगी तब निश्चित तौर पर हम खोलने के बारे में विचार कर लेंगे लेकिन आज के दिन केवल 62 सेक्टर के 46 सी.जी.एच.एस. कार्ड टोटल और 210 बेनेफिशियरीज, हमारे पास रजिस्टर्ड हैं, जिसके कारण कोई केस इस समय खोलने का नहीं बनता है।

श्री दारा सिंह चौहान: सभापति महोदय, जो लोग ...(**व्यवधान**)... जो सैक्टर बासठ के लोग रहते हैं और ...(**व्यवधान**)...छत्तीस...(**व्यवधान**)... की दूरी है ...(**व्यवधान**)... वे बेचारे डिस्पेंसरी नहीं जा सकते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नहीं, मैं एलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य आप बैठ जाइए ... जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है ...(**व्यवधान**)... (**व्यवधान**)... नेक्स्ट क्वेश्चन। श्रीमती बिम्बा रायकर।

श्री लालू प्रसाद: सभापति जी, पूरा आज ही खत्म करा दीजिए।

श्री सभापति: ये बीस क्वेश्चन इसीलिए रखे जाते हैं कि एक घण्टे में पूरे हों। यह मेरे बस की बात नहीं है, यह आपने व्यवस्था कर रखी है।

श्री लालू प्रसाद: सभापति जी, मैं दो दिन से देख रहा हूं। मैं बराबर हाथ उठाता हूं, हाथ उठाते-उठाते हाथ में तकलीफ हो गई है। हम लोगों को भी तो कुछ टाइम दीजिए।

श्री सभापति: मैं आपको टाइम दूंगा, किसने मना किया है?

श्री लालू प्रसाद: कहां दे रहे हैं सर? अगर आप मुझे रोक देंगे तो मैं क्या करूंगा?

श्री सभापति: यह तो अच्छी बात है कि आप हमारा कहना मानते हैं।

श्री लालू प्रसाद: आगे से ख्याल रखिए।

श्री सभापति: ठीक है, आगे से मैं ख्याल रखूंगा।

Setting up of Broadcasting Regulatory Authority of India

*104. SHRIMATI BIMBA RAIKAR:††
SHRI NANA DESHMUKH:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up a Broadcasting Regulatory Authority of India on the lines of TRAI;

(b) if so, whether Government have examined functioning of such other regulatory bodies like Federal Communications Commission of US and office of the Communications of UK before taking a view in this regard; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD): (a) to (c) There is a felt need for an institutional mechanism for regulation of some aspects of broadcasting. Examination of the working of similar institutions/authorities in selected countries and a wider consultation with stake holders would be necessary for deciding on the appropriate framework.

SHRIMATI BIMBA RAIKAR: Mr. Chairman, Sir, I would like to ask the Minister, when we are not in a position to have control on telecom sector through TRAI, why the Government wants to impose such an

††The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Bimba Raikar.